राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 04 | जौनपुर | रविवार, 17 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

सीएम योगी करेंगे हाइड्रोजन प्लांट का उद्घाटन

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को दोपहर बाद तीन बजे खजनी रोड के खानिमपुर में बने टोरंट समूह के हाइड्रोजन प्लांट का लोकार्पण करेंगे। गोरखपुर में वाहनों के लिए सीएनजी और घरों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस सप्लाई करने वाले टोरेंट समूह के इस प्लांट से प्रतिवर्ष 72 टन ग्रीन हाइड्रोजन गैस का उत्पादन होगा। टोरेंट समूह के अधिशासी निदेशक डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि खानिमपुर में स्थापित ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट समूह का एक पायलट प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट के तहत सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क में प्राकृतिक गैस के साथ दो प्रतिशत ग्रीन हाइड्रोजन का मिश्रण किया जाएगा। इस प्लांट से हर साल 72 टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन होगा जिससे 500 टन कार्बन उत्सर्जन कम होगा। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक गैस के साथ ग्रीन हाइड्रोजन का अपमिश्रण आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और स्वच्छ सतत ऊर्जा भविष्य की ओर अग्रसर करने में सहायक होगा। मेडिकल कॉलेज रोड पर बने निजी क्षेत्र के अस्पताल रीजेंसी हेल्थ (हॉस्पिटल) का लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को सुबह 10 बजे करेंगे। सीएम इस हॉस्पिटल के पेशेंट एप को भी लांच करेंगे।

रीजेंसी हेल्थ समूह के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अतुल कपूर के मुताबिक, गोरखपुर में बना रीजेंसी हॉस्पिटल 150 बेड क्षमता का है। इसे 250 बेड तक विस्तारित करने की योजना है। 300 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है।

कठुआं में बादल फटने से सात लोगों की मौत, अमित शाह ने मुख्यमंत्री से बात की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार जम्मू–कश्मीर के कठुआ जिले की स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है, जहाँ बादल फटने से सात लोगों की मौत हो गई और भारी नुकसान हुआ है। एक पोस्ट में, शाह ने कहा, कठुआ में बादल फटने की घटना के संबंध में जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से बात की। स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव कार्य चला रहा है और एनडीआरएफ की टीमें भी घटनास्थल पर पहुँच गई हैं। मोदी सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया गया है। हम जम्मू–कश्मीर के अपने बहनों और भाइयों के साथ मजबूती से खड़े हैं। राजमार्ग परियोजनाओं का किया उद्घाटन अधिकारियों ने बताया कि शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात बादल फटने से सात लोगों की

मौत हो गई, एक रेलवे ट्रैक, राष्ट्रीय राजमार्ग और स्थानीय पुलिस थाना क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि जोध गाँव में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन में छह लोग फँस गए और संपर्क सड़कें बह गईं। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी इस त्रासदी पर दुख व्यक्त किया। र पर एक पोस्ट में, सिन्हा ने लिखा, कठुआ के कई इलाकों में बारिश के कारण हुए ।

संक्षिप्त खबरें

महिला के रोने मात्र से दहेज उत्पीड़न का मामला नहीं बनता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि सिर्फ महिला के रोने से दहेज उत्पीड़न का मामला नहीं बनता। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने एक पति और उसके परिवार को क्रूरता और दहेज उत्पीड़न के आरोपों से मुक्त करने के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। अभियोजन पक्ष के अनुसार, दिसंबर 2010 में विवाहित महिला को अपने पति और ससुराल वालों से उत्पीड़न और दहेज की माँग का सामना करना पड़ा। उसके परिवार ने दावा किया कि उन्होंने शादी पर लगभग 4 लाख रुपये खर्च किए थे, ।

राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ की 30वीं संगोष्ठी बाल चिकित्सा पर केंद्रित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (आरएवी), 18–19 अगस्त को स्कोप कॉम्प्लेक्स ऑडिटोरियम, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयुर्वेद के माध्यम से बाल चिकित्सा में बीमारी और कल्याण का प्रबंधन विषय पर अपना 30वां राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करेगा , एक आधिकारिक बयान में कहा गया है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, दो दिवसीय संगोष्ठी में प्रसिद्ध विद्वान, चिकित्सक, साक्ष्य–आधारित प्रथाओं पर विचार–विमर्श करने के लिए एक मंच पर आएंगे।

पीएम मोदी ने राजधानी में दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, द्वारका एक्सप्रेसवे के दिल्ली खंड और शहरी विस्तार सड़क (यूईआ) का उद्घाटन करते हुए कहा कि दिल्ली विकास की क्रांति का गवाह बन रही है । इन परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 11,000 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नए राजमार्गों से दिल्ली –एनसीआर में रहने वाले लोगों की सुविधा बढ़ेगी ।रविवार को कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ष्अगस्त का यह महीना आजादी और क्रांति के रंगों में रंगा है। आजादी के इस पर्व के बीच आज देश की राजधानी दिल्ली विकास की क्रांति की साक्षी बन रही है। थोड़ी देर पहले ही दिल्ली को द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड की कनेक्टिविटी मिली है । इससे दिल्ली , गुरुग्राम समेत पूरे एनसीआर के लोगों की

सुविधा बढ़ेगी। इससे लोगों को अपने दफ्तरों और फैक्ट्रियों तक पहुंचने में आसानी होगी। इससे सभी का समय बचेगा। अमित शाह प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता के अपने दृष्टिकोण को दोहराया और दिल्ली को षविकास का मॉडलष बनाने की इच्छा व्यक्त की, उन्होंने उल्लेख किया कि दुनिया भारत का मूल्यांकन उसकी राजधानी से करती है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार दिल्ली को विकास के एक मॉडल में बदलने और इसे तेजी से आगे बढ़ते भारत की राजधानी के रूप में प्रस्तुत करने की आकांक्षा रखती है। पीएम मोदी ने कहा, 15 अगस्त को लाल किले से मैंने देश की अर्थव्यवस्था, देश की आत्मनिर्भरता और देश के आत्मविश्वास के बारे में पूरे विश्वास के साथ बात की थी। जब दुनिया भारत को देखती है और उसका मूल्यांकन करती है, तो उसकी पहली नजर हमारी राजधानी दिल्ली पर पड़ती है। इसलिए, हमें दिल्ली को विकास का ऐसा मॉडल बनाना है , जहां हर किसी को लगे कि हां , यह विकासशील भारत की राजधानी है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नवनिर्मित शहरी विस्तार के निर्माण से भी दिल्ली को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करनेष में मदद मिली है । बर्न एक्सटेंशन रोड की एक और विशेषता है, यह दिल्ली को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने में मदद कर रही है। अर्बन एक्सटेंशन रोड के निर्माण में लाखों टन कचरे का इस्तेमाल किया गया है। कूड़े के पहाड़ों को कम करके , अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग सड़क बनाने में किया गया है, और यह काम वैज्ञानिक तरीके से किया गया है। यह उल्लेख करते हुए कि भलस्वा लैंडफिल के निकट के लोग अनेक स्वास्थ्य और प्रदूषण संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, प्रधानमंत्री मोदी ने आश्वासन दिया कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए काम कर रही है। आरोप पर चुनाव आयोग का बयान उन्होंने कहा , भलस्वा लैंडफिल पास में ही है।

सभी देश एवं प्रदेश तथा जौनपुर वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ब्यूरो प्रमुख हिंदी दैनिक देश की उपासना

समस्त देश एवं प्रदेश तथा जनपद लखनऊ नगर वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

तुषार मित्तल एडवोकेट, माननीय उच्च न्यायालय खण्ड पीठ लखनऊ, उत्तर प्रदेश

समस्त देश एवं प्रदेश तथा जनपद जौनपुर वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इं. मनोज कुमार भारती सहायक अभियंता, नलकूप जौनपुर, उत्तर प्रदेश

समस्त देश एवं प्रदेश तथा जनपद वाराणसी वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इं. शिवाकांत उपाध्याय अधीक्षण अभियंता (सेवानिवृत्त) एवं समाजसेवी तथा लेखक, जनपद वाराणसी, उत्तर प्रदेश

समस्त देश एवं प्रदेश तथा लखनऊ वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शिवशंकर द्विवेदी सयुक्त सचिव (सेवानिवृत) उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

देश एवं प्रदेश तथा जनपद जौनपुर वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इं. पुनवासी राम सहायक अभियंता, नलकूप जौनपुर, उत्तर प्रदेश

समस्त देश एवं प्रदेश तथा जनपद जौनपुर वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इं. सतेन्द्र कुमार पाण्डे सहायक अभियंता, नलकूप जौनपुर, उत्तर प्रदेश

समस्त देश एवं प्रदेश तथा जनपद अयोध्या वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

विनय कुमार वर्मा अक्षत ग्रुप इंफ्रा डेवलपमेंट (रियल एस्टेट) अयोध्या, सम्पर्क सूत्र - 9628090226

समस्त देश एवं प्रदेश तथा जनपद जौनपुर वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए

इं. अमित कुमार तिवारी सहायक अभियंता, नलकूप जौनपुर, उत्तर प्रदेश

समस्त उत्तर प्रदेश वासियों एवं जनपद जौनपुर के किसान भाइयों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इं. अजीत कुमार नन्द अवर अभियंता, नलकूप विभाग, जौनपुर

समस्त देश एवं प्रदेश तथा जनपद वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

विजय प्रकाश श्रीवास्तव एडवोकेट, सिविल कोर्ट, जौनपुर, उत्तर प्रदेश निवास - जमैया, जौनपुर

समस्त उत्तर प्रदेश तथा जनपद जौनपुर वासियों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

इं. शेर सिंह विश्वकर्मा अवर अभियंता, नलकूप विभाग, जौनपुर

संपादकीय

ऐसी नहीं आजादी

हमारे बीच वो पीढ़ी अपनों के सपनों का आकाश तलाश रही है, जिसने आजादी के लिये संघर्ष के त्रास को करीब से महसूस नहीं किया। सदियों वाली गुलामी की त्रासदी क्या होती है, पहले स्वतंत्रता दिवस पर देशव्यापी उल्लास के जुनून में इसकी झलक देखी जा सकती थी। निस्संदेह, बड़े जतन से हासिल किसी कामयाबी को वही व्यक्ति गहरे तक महसूस कर सकता है, जिसने उससे जुड़े त्रास को सहा हो। बेशक, इस आजादी की कीमत का अहसास नई पीढ़ी को होना चाहिए। लेकिन हाल के वर्षों में हम लोक–व्यवहार में ऐसी अराजकता देख रहे हैं, जो हमारी आजादी के दुरुपयोग की परिणति है। किसी भी आजादी का महत्व तभी तक है जब हम अपने व्यवहार में गरिमा, जिम्मेदारी व जवाबदेही का भाव लाएं। सार्वजनिक स्थलों, ट्रेन व बसों में खाद्य वस्तुओं–फलों के अवशेष तथा पेय पदार्थों की बोतलों के अंबार लगे होते हैं। जो बताते हैं कि हम अपनी आजादी का कितना दुरुपयोग कर रहे हैं। जब आप ट्रेन से सफर कर रहे हों तो देखेंगे कि तमाम लोग चीजें खाकर उनके रैपर, प्लास्टिक की थैलियां तथा कोल्ड ड्रिंक की खाली बोतलें खिड़की से बाहर फेंक देते हैं। प्लास्टिक का कचरा रेल की पटरियों में जहां–तहां बिखरा रहता है। आखिर कौन उठाएगा इस कचरे को? कमोबेश बस स्टेशनों और रेलवे स्टेशनों पर भी ऐसी स्थिति बनी रहती है कि लोग कूड़ा–दान बने होने के बावजूद कचरे को फर्श पर फेंक देते हैं। निश्चय ही इस बाबत जवाबदेही तय करने की जरूरत है। इसी तरह लोग सड़क पर चलती कार से प्लास्टिक का कचरा सड़क पर फेंक देते हैं। जाहिर है सारे रास्ते की नियमित सफाई नहीं होती। प्लास्टिक का सामान गलता नहीं है और सालों–साल वहीं पड़ा जीव–जंतुओं के लिये मुसीबत पैदा करता है। कमोबेश, हिल स्टेशनों पर भी पर्यटक बड़ी मात्रा में प्लास्टिक व अन्य कचरा पहाड़ों पर छोड़ आते हैं। जो जल स्रोतों व भूमि की उर्वरता को बाधित करता है। इसी तरह देश की जीवनदायिनी नदियां हमारे फेंके गए कचरे से बुरी तरह प्रदूषित हो गई हैं। आस्था की हमें आजादी है लेकिन पूजा के बचे सामान, मूर्ति विसर्जन तथा प्लास्टिक की थैलियों को नदियों में बहाने की हमें आजादी नहीं है। आज नदियों का पानी आचमन तो दूर, सिंचाई की दृष्टि से भी विषैला हो गया है। दिल्ली में यमुना नदी में विषैले रसायनों का उफनता झाग फैक्ट्री मालिकों की निरंकुश आजादी का दंश है, जो जहरीले रासायनिक अवशेषों को जीवनदायिनी नदियों में बहा देते हैं। आखिर शासन–प्रशासन कहां तक निगरानी करेगा। उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में देश,समाज व व्यक्ति तथा प्रकृति के हितों के बारे में भी सोचना होगा। अकसर समाज में नकली पनीर व दूध बिकने की खबरें आती हैं। कैसे निष्ठुर लोग हैं कि चंद सिक्कों के लिये दूसरों के जीवन से खिलवाड़ करने से नहीं चूकते। उन्हें मिलावट की आजादी नहीं है। यह आजादी का दुरुपयोग है। कहीं न कहीं आम जीवन में आजादी के लिये जिम्मेदारी का बोध नजर नहीं आता। देश की सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा की जवाबदेही हमारी स्वतंत्रता का ही हिस्सा है। हमें अपने घर के कचरे को सड़क या पड़ोसी के घर के बाहर फेंकने की आजादी भी नहीं है। शराब के ठेके के बाहर शराब पीकर सड़कों के बीच या किनारे खाली बोतलें फेंकने की भी हमें आजादी नहीं हैं।

माँ गंगा का निर्मल धारा निरन्तर बहती रहनी चाहिए

(प्रोफे० जी०सी० पाण्डेय (अवकाश प्राप्त) उ०प्र० सरकार द्वारा, सरस्वती सम्मान प्राप्त, पर्यावरणविद्, अयोध्या)

माँ गंगा की निर्मल धारा मुझे एहसास कराती है कि इससे पवित्र कोई अन्य जल नहीं होता है। इस जल के स्पर्श मात्र से प्रत्येक वस्तु को शुद्ध करने की शक्ति होता है। गंगा जल का महत्व अनादिकाल से है। यह अपनी उद्गम स्थान से नीचे आने तक कई दुर्लभ जड़ी, बूटी वाले रास्तों से होकर गुजरती है। बुटियों के मिश्रण से जल लगातार पवित्र बना रहता है क्योंकि इनमें दूषित वैक्टीरिया पनपते ही मर जाते हैं। गंगा स्वर्ग के समान सुखदायिनी हैं, इसलिए इसके आचमन, गंगा में स्नान और स्पर्श मात्र से स्वर्ग की अनुभूति होती है।

देश के दो स्थानों प्रयागराज एवं हरिद्वार में अमृत की बूंदे समयकाल में, गिरने के कारण अमृत तुल्य एवं स्वर्ग की नदी भी माना गया है। विभिन्न शोधों/रिपोटों के माध्यम से मिल चुका है कि इसका जल कभी दूषित नहीं होता है। माँ गंगा, वातावरणीय ऑक्सीजन सोखने की अदभुत क्षमता रखती हैं तथा अन्य नदियों की अपेक्षा गन्दगी को नष्ट करने की क्षमता रखती है। यह हमेशा शुद्ध रहता हैं क्योंकि इसमें कीड़े/अन्य जीव नहीं पाये जाते जिससे गन्दा महकती नहीं और शुद्ध रहती है, जब कि अन्य नदियाँ/कूप का जल जल्द ही दूषित हो जाता है। डॉ० कामत द्वारा प्रेषित एक रोचक वैज्ञानिक रिपोर्ट जिसमें उन्होंनें इलाहाबाद में कुम्भ मेला दौरान गंगा जल का सूक्ष्म वैज्ञानिक दृष्टिकोण द्वारा अध्ययन कर, अपना रिपोर्ट प्रस्तुत किया। डॉ० कामत ने एक व्यक्ति को निर्जीव बोतलों के साथ, पाँच अलग–अलग स्थानों (नदी के किनारे, थोडे अन्दर जाकर, दूसरे किनारे से,नदी के मध्य भाग में और जहाँ सबसे ज्यादा लोग स्नान कर रहे थे) उक्त पाँचों नमूनों में एक सेट वैक्टीरियोंलाजिकल अध्ययन के लिए प्रयोगशाला में भेजा तथा दूसरा सेट हाफकिन से संस्थान को वैक्टीरियालोजी एवं बायारोलाजी के लिए, परीक्षण के लिए दिया। अध्ययन में पता चला जो कि परिणाम निश्चित तौर चौकाने वाले थे, उक्त दोनों प्रयोगशाला में भेजे गए पाँचों नमूनो में जीवाणु (बैक्टीरिया) नहीं पाया गया लेकिन उन नमूनों में बड़ी मात्रा में बैक्टीरियोफेज पाए गए। बैक्टीरिया फेज ऐसे वायरस है, जो मौजूद बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है। इसलिए गंगाजल में संक्रमण फैलाने वाले बैक्टीरिया पनप नहीं सकते क्योंकि उन्हें नष्ट करने वाले वैक्टीरियोफेज बड़ी मात्रा में उपस्थित रहते है। इसी कारण करोड़ों लोग गंगा स्नान करने के बावजूद भी कुम्भ मेले में महामारी नहीं फैली। यह एक चमत्कारी वैज्ञानिक सत्य है। इसलिए कहा गया है कि गंगा की सफाई मत कीजिए वह स्वयंसफाई कर लेगी।

गंगा जल का पानी प्लास्टिक के बर्तनों में नहीं रखना चाहिए। इसको पीतल, कांसा, तांबा, चांदी के बर्तनों में रखना चाहिए, जिससे पवित्र जल की गुणवत्ता बनी रहती है।

गंगाजल निर्मल है परन्तु आज गंगा को प्रदूषित कौन बना रहा है? इसकी समस्या /समाधान हम स्वयं है। हम हर स्तर पर जिम्मेदार है। इस संदर्भ में कुछ निम्न तथ्य है–

– वैक्टीरियोफेजस (अन्टी वैक्टीरिया वायरस) इ० कोलाई वायरस को नष्ट करने के साथ–साथ किसी वैक्टीरियों का प्रभाव नहीं होने देता है जो भी आर्गेनिक मैटेयिरल गंगा जल में होते है उसको कुछ प्रोटोजोवा एवं फंगस धीरे–धीरे समाप्त कर देते है।

–सायनोवैक्टीरिया एक अलगी है जो जलीय जीवन को बढ़ाने में सहायता करता है और यह ऑक्सीजन पैदा कर जलीय व्यवस्था का सहायक होता है।

––पानी में लगभग 80 प्रतिशत कैटायन्स एवं एनायन्स होते है–Ca+mg, H2CO2 के होते है। जिसमें चम लगभग 8.23–8.76 होता है। ई. कालाई की संख्या लगभग 92000/MPN/100 उस पाया जाता है। जबकि CBCB के अनुसार 5000/MPN/100 उस, बताया गया है। – आम आदमी की धारणा है कि किसी भी नदी का प्रदूषित होना निम्न कारणों से हैरू–

'राख नदी में, इलेक्ट्रोप्लेटिंग फैक्टरी से या अन्य जगहों से आने के कारण।

–DTP,STP BTP,सही सिवेज मैनेजमेन्ट का न होना। सिवेज का डाइवर्जन न होना।

'सिलटिंग का सफाई न होना। 'गन्दगी को सफाई करने वाले जीवों का न होना।

'नदी में कपड़ा धोना।

'लकड़ी से लाश जलाकर, लाश एवं अद्यजले लकड़ी पानी में डालना।

'मरे जानवर को डालना।

'धार्मिक आयोजन पर मूर्तियाँ एवं अन्य पूजा सामग्री डालना। 'गारबेज नलियों द्वारा या अन्य माध्यमों से नदी में आना।

'नदियों का किनारा पक्का न होकर, कच्चा होना। पानी की गहराई हमेशा न होना, आदि।

विकसित एवं समृद्ध भारत के लिए गंगा जल का स्वच्छ होना आवश्यक है।

विशेष आग्रह– यह लेख जनमानस की जागरूकता के लिए प्रकाशित किया गया है। जहां तक हो सके नदियों को स्वच्छ बनाने रखने में राष्ट्र हित के दृश्यगत अपना योगदान करने का प्रयास करना होगा, क्योंकि अगर स्वच्छ जल है तो स्वस्थ जीवन है।

देश के प्रति कर्तव्यों की याद भी दिलाता पर्व

मनोज

देश जब भी मुश्किल में आया तो देशवासी जाति, धर्म और क्षेत्र की सोच से हटकर राष्ट्रीय हितों के लिये एकजुट हुए हैं। सवाल यह है कि सामान्य दिनों में भी हमारी यह सोच क्यों कायम नहीं रह पाती है। हमारा स्वतंत्रता दिवस हमें ऐसे ही मुद्दों पर आत्ममंथन के लिये प्रेरित करता है। पिछले दिनों जापान से खबर आई कि एक टोल प्लाजा पर मशीन खराब होने के कारण हजारों लोगों से टोल टैक्स नहीं नहीं लिया जा सका। जापानी वाहन टोल से गुजरे और अपने गंतव्य स्थल पहुंचने के बाद हजारों लोगों ने अपने निजी प्रयासों से लाखों रुपये सरकारी खजाने में जमा कराये। सही मायने में ऐसी सोच के नागरिकों वाले देश को कभी कोई आंच नहीं आ सकती। जापानियों की राष्ट्रभक्ति व समर्पण की दुहाई पूरी दुनिया में दी जाती है। सचमुच, एक अनुकरणीय राष्ट्रीय चरित्र है जापानी लोगों का। अक्सर जापान की एक घटना का उल्लेख पूरी दुनिया में किया जाता है कि एक श्रमिक आंदोलन के दौरान जापानी श्रमिकों ने हड़ताल करने या छुट्टी पर जाने के बजाय उलटा औद्योगिक उत्पादन ही बढ़ा दिया। इस तरह से आंदोलनकारी श्रमिक बढ़े उत्पादन से वस्तुओं के मूल्यों में गिरावट लाकर उद्यमियों का मुनाफा घटा देते हैं। निश्चय ही किसी भी देश का निर्माण भौगोलिक सीमा और सरकार से ही नहीं होता बल्कि नागरिकों के राष्ट्रीय चरित्र से होता है। जिसका उदाहरण जापानियों की अटूट राष्ट्रभक्ति है। जिससे हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। जापानियों की उत्कृष्ट राष्ट्रभक्ति हमें आत्ममंथन के लिये प्रेरित करती है कि क्या हमारी भी सोच ऐसी ही है? क्या हम अपने राष्ट्रीय दायित्वों को ईमानदारी से निभाते हैं? क्या हमारी प्राथमिकताएं व्यक्ति व परिवार से उठकर राष्ट्र के प्रति होती हैं? पंद्रह अगस्त हमें ऐसे ही तमाम सवालों पर विचारने करने का मौका देता है। हमें सोचने को मजबूर करता है कि हम राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का पालन कितनी ईमानदारी से कर रहे हैं। सदियों की गुलामी के दंश को करोड़ों भारतीयों ने झेला और महसूस किया कि आजादी की कीमत क्या होती है। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाने वाली पीढ़ी अब कमोबेश विदा लेने के कगार पर है। ऐसे में हमें अपनी आजादी के अहसासों को गंभीरता से महसूस करना चाहिए। ऐसे कोई काम नहीं करने चाहिए, जिससे हमारी आजादी खतरे में पड़ती हो। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के कई मामले उजागर हुए थे, जो हमारी गहरी चिंता का विषय होना चाहिए। हमारे देश की ऐसी काली भेड़ों की निगरानी हर देशवासी का दायित्व बनता है। निस्संदेह, पंद्रह अगस्त हर साल उत्साह व गरिमा से देश–विदेश में मनाया जाता है। स्वतंत्रता दिवस की वेला में जहां तक निगाह जाती है तिरंगे ही तिरंगे नजर आते हैं। दरअसल, आजादी की पौन सदी के सफर को 'अमृत महोत्सव' के रूप में मनाने का निर्णय सरकार स्तर पर लिया गया था। जिसके चलते तिरंगे से जुड़े कई प्रावधानों का सरलीकरण किया गया है। ताकि तिरंगा हर भारतीय के अहसासों में हो और हर समय सहज पहुंच में हो। सही मायने में तिरंगा हमारे राष्ट्रीय सरोकारों की गहरी अभिव्यक्ति है। हर भारतीय को तिरंगे के गहरे अहसासों का बोध होना भी जरूरी है। यह वह प्रतीक है जिसके लिये हजारों लोगों ने बलिदान दिये। जिन्होंने आजादी की आकांक्षाओं के प्रतीक इस तिरंगे को फहराने पर गोलियां खाईं। स्वतंत्रता सेनानियों को जेलों में सजा काटनी पड़ी व यातनाएं सहनी पड़ीं। तिरंगे के अस्तित्व में आने का लंबा इतिहास है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की तमाम बड़ी घटनाएं इसके स्वरूप से जुड़ी हुई हैं। जो हमें उस कालखंड की भी याद दिलाता है जब इसे फहराना गंभीर अपराध माना जाता था। फहराने पर यातनाओं को सहना पड़ता था। निस्संदेह, तिरंगे ने राष्ट्रीय आंदोलन में राष्ट्रीयता के गहरे रंग भरे। बलिदानियों के त्याग व तपस्या से इसके रंग चटक हुए। इस तिरंगे ने जाति, धर्म, वर्ग, क्षेत्र और भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। पूरे देश में एक स्वतरूस्फूर्त स्वतंत्रता आंदोलन जगाने में तिरंगे की निर्णायक भूमिका रही। लोग इस तिरंगे की शान में मर मिटे। ऐसे में जब भी हम जहां भी तिरंगा फहरायें, बलिदानियों के आत्मीय अहसासों का हमें बोध होना चाहिए। इसका फहराना गरिमामय होना चाहिए और तिरंगे का रखरखाव भी। निस्संदेह, तिरंगे के सम्मान से नई पीढ़ी को इस बात का अहसास होगा कि आज हम जिस खुली हवा में सांस ले रहे हैं, उसमें तिरंगे की क्या भूमिका रही।

..... विविध .....

जुनूनी जिंदगी जीने की ललक से उपजा अनुभव कारोबार

नयी जेनरेशन ने जिंदगी में तकरीबन हर चीज का अनुभव लेने का सिलसिला शुरू किया है जिससे देश में नए किस्म की एक्सपीरियंस इकॉनमी ने जन्म लिया है। इसका फायदा भी हुआ कि नए किस्म के काम–धंधे पैदा हुए, लेकिन एक सवाल भी उठता है कि आखिर युवाओं में सब कुछ जान–पा लेने, हर शौक पूरा करने का इतना जुनून या उतावलापन क्यों है। वे किस हद तक जाएंगे। जिंदगी को भरपूर जी लेने की चाह में खर्चीले पर्यटन, विवाह व पार्टियां, शो–कॉन्सर्ट व महंगे रेस्टोरेंट में भोजन ट्राई करते हैं। कंपनियां भी युवा बहुल जनसांख्यिकी का फायदा उठाने में कसर नहीं छोड़ रही। इस नयी उभरी अर्थव्यवस्था के तीन तत्व हैं– युवा उपभोक्ता, तकनीक–प्रौद्योगिकी और इनोवेटिव कारोबारी। दार्शनिक भाव से हम अपनी जिंदगी को देखें, तो लगता है कि हमारा यह जीवन हर दिन कोई नया अनुभव लेते हुए ही गुजर जाता है। पर इसी दुनिया में हाल तक की पीढ़ियों में ऐसे लोगों का प्रतिशत काफी ज्यादा रहा है, जो पूरी जिंदगी एक ढर्रे पर जीते थे। सुबह उठे, तैयार हुए, दफ्तर या दुकान पर गए, शाम को लौटे और खा–पीकर सो गए। उनकी इस जिंदगी में कोई तब्दीली तभी होती थी, जब घर या आस–पड़ोस में कोई शादी–ब्याह हो या किसी प्रियजन की मृत्यु हो गई हो। इसके अलावा उम्र ढलने पर तीर्थयात्राओं का संयोग बिठाया जाता रहा है। लेकिन इसी बीच एक पीढ़ी ऐसी आई, जिसने तीर्थाटन या धार्मिक–आध्यात्मिक पर्यटन से थोड़ा आगे निकलकर सैर–सपाटे किए। नाटक और फिल्में देखीं, किताबें पढ़ीं और कुछ शौक भी पाले। लेकिन इन लोगों को भी आज यह देखकर हैरानी होगी कि अब जवान हुई पीढ़ी ने जिंदगी में एक बार तकरीबन हर चीज का अनुभव लेने का जो सिलसिला शुरू किया है, वह इतना हंगामेदार हो गया है कि इससे देश में एक नए किस्म की अनुभव अर्थव्यवस्था (एक्सपीरियंस इकॉनमी) ने जन्म ले लिया है। इसका एक फायदा तो नए किस्म के काम–धंधों को हुआ है, तमाम रोजगार पैदा हुए हैं, साथ में यह सवाल भी उठा है कि आखिर युवाओं को सब कुछ जान लेने और पा लेने की इतनी जल्दबाजी क्यों है। और आखिर वे कितने किस्म के नए अनुभव और शौक पूरा करने के लिए किस हद तक जाएंगे। सरसरी तौर पर देखें, तो ऐसा लगता है कि कोरोना वायरस से पैदा महामारी कोविड–19 ने इस धारती के लोगों के मिजाज में जबर्दस्त बदलाव ला दिया है। लोगों, खासकर युवाओं, को लगने लगा है कि जिंदगी का कोई भरोसा नहीं। इसलिए जितनी जल्दी हो सके– इसे भरपूर जी लिया जाए। इसी का नतीजा दुनिया भर के पर्यटन स्थलों पर बेशुमार उमड़ती भीड़ के रूप में इधर के कुछ वर्षों में नजर आया है। यह भी दिखा है कि युवा पीढ़ी अब सिर्फ आईफोन खरीद लेने भर से संतुष्ट नहीं हो रही है। बल्कि उसे महंगी कारों, ब्रांडेड कपड़ों, घड़ियों को किस्तों या कर्ज पर भी झटपट खरीद लेने में कोई समस्या नहीं है। जिंदगी को नए और हर तरह के अनुभवों से भर लेने का एक जुनून या उतावलापन इस कदर है कि इस नई पीढ़ी ने जीवन का ठहराव या स्थायित्व देने वाले घर के सपने को भी फिलहाल मुल्तवी कर देना ज्यादा बेहतर समझा। हालांकि घरों का एक पहलू यह भी है कि अब वे इतने महंगे हो गए हैं कि वे नए पेशों में आ रहे और लाखों का वेतन पा रहे युवाओं की प्राथमिकता से भी दूर होते चले गए हैं।

नए अनुभव पाने की हालिया बानगियां

जहां तक बात खुद को नए अनुभवों से भर लेने की है, तो इसकी कई बानगियां पिछले कुछ अरसे में देखने को मिली हैं। जैसे, शादी को हर तरह से यादगार बनाने का नया आग्रह युवाओं की बकेट लिस्ट में शामिल है। डेस्टिनेशन वेडिंग, प्री–वेडिंग शूट और शादी की सारी रस्मों को बढ़ा–चढ़ाकर निभाने के लिए बचतों को स्वाह करने और कर्ज लेने में भी इनके माथे पर एक शिकन तक नहीं आती। काशी के तट पर सजे–धजे स्टीमर में यात्रा करने और गंगा आरती में हिस्सा लेने या उसका करीब से दर्शन करने के लिए उन्हें जो कुछ करना पड़े, करते हैं। इन्हीं युवाओं की बड़ी फौज इस साल के आरंभ में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में दिखी थी। वहां ये युवा आध्यात्मिकता की खोज करते और उसका मर्म समझने का प्रयास करते नजर आए थे। गोवा के समुद्र तटों पर युवाओं का जमावड़ा एकदम हाल का ट्रेंड नहीं कहा जा सकता।

समाज की सामूहिक चेतना का स्वर

लोकगीत किसी समाज की आत्मा होते हैं, जो उसकी परंपरा, भावनाओं और जीवन शैली को सरल भाषा और लय में अभिव्यक्त करते हैं। ये गीत पीढ़ी दर पीढ़ी स्मृति में बसकर संस्कृति को जीवित रखते हैं। लोकगीतों में मिट्टी की महक और सामूहिकता की गूंज छिपी होती है।

साहित्य में लोकगीत का बहुत अहम मुकाम होता है। यह साहित्य की उस धारा का हिस्सा होता है, जिसे हम लोक संस्कृति की आत्मा कहते हैं। यह किसी समाज को सबसे सहज, मौलिक और सामूहिक रूप से व्यक्त करता है।

लिखित साहित्य से पहले की परंपरा

वास्तव में लोकगीत की परंपरा लिखित साहित्य से पहले की परंपरा है, इसलिए लोकगीत में सब कुछ तय नहीं होता। एक ही लोकगीत, एक ही इलाके में गाते हुए लोग अलग अलग शब्दों, अलग अलग संवेदनाओं के आयाम छूते हैं। लोकगीत आमतौर पर किसी समाज की सामूहिक भावनाओं को व्यक्त करते हैं। इनमें इतिहास, ऋतुएं, पर्व, सामाजिक घटनाएं होती हैं, जो लगातार जुड़ते शब्दों के गीतों में पिरोकर पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांरित होते हैं। लोकगीत किसी समाज की सामूहिक भावनाएं होते हैं, इस वजह से दुनियाभर के लोकगीतों की अगर भाषा एक कर दी जाए तो हम पाएंगे कि दुनिया के हर कोने के लोकगीत लगभग एक जैसे होते हैं। मनुष्य की आंतरिक संवेदनाएं एक जैसी ही होती हैं, चाहे वह धरती के किसी भी छोर में रहते हों। थोड़े शब्द अलग होते हैं, शब्दों के व्यक्त करने का तरीका अलग हो सकता है, लेकिन दुनियाभर की लोकचेतना एक जैसी होती है।

समाज की सामूहिक पूंजी

लोकगीतों की यही लोकचेतना चुबंक की तरह लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करती है। क्योंकि लोकगीतों के गाने गुनगुनाने में किसी तरह का शास्त्रीय बंधन नहीं होता, इसलिए उन्हें हर कोई अपने अपने ढंग से गा, गुनगुना सकता है। लोकगीत किसी विशेष लेखक की रचना भी नहीं होते। ये आज के विकीपीडिया कंटेंट की तरह होते हैं, जिसमें हर कोई अपना योगदान दे सकता है। इसलिए लोकगीत किसी लेखक विशेष की रचना या उनकी पूंजी नहीं होते। ये समाज के सभी लोगों की सामूहिक पूंजी होते हैं और इनकी रचना में भी पूरे समाज का योगदान होता है। हिंदी साहित्य में तो विशेषकर लोकसाहित्य की श्रेणी में लोकगीत इसके मूल आधार की तरह हैं। सच बात तो यह है कि बाद में व्यापक लिखित साहित्य इसी की बुनियाद पर खड़ा हुआ है।

सरलता से लोकप्रियता

है, वह ऐसी होती है कि आम से आम व्यक्ति भी उसे समझ सकता है, उन्हें गा सकता है और उसमें अपनी मौजूदगी महसूस कर सकता है। लोकगीत किसी एक व्यक्ति द्वारा अकेले में आमतौर पर नहीं गाये जाते। इसलिए लोकगीतों की कोई विशेष शैली या किसी गायक विशेष की इनमें छाप भी नहीं होती। उन्हें कोई भी गा सकता है। ये अपनी भाषाशैली और रचना प्रक्रिया में अपने साथ सबको जोड़ते हैं।

स्थानीयता की महक

इनमें स्थानीयता की सबसे मुखर गंध होती है। इनका स्वर, इनके शब्द, ये जिस वाद्य में गाये और बजाये जाते हैं, यह सब स्थानीय होते हैं। यहां तक कि लोकगीतों में जो भाव–भंगिमाएं प्रदर्शित की जाती हैं, वह एक स्थान विशेष के लोगों की सामूहिक भाव–भंगिमाओं का हिस्सा होती है। इनका जुड़ाव अपने इलाके की मिट्टी, मौसम और बोली से बहुत गहरे तक होता है। इसलिए ये किसी व्यक्ति विशेष की बजाय किसी समूह विशेष या किसी भूगोल विशेष का जीवंत दास्तावेज होते हैं। शादी–ब्याह, खेती–किसानी, ऋतु परिवर्तन, युद्ध, प्रेम, वियोग यानी जीवन का कोई छोटा या बड़ा पहलू नहीं छुटता, लोकगीत जिन्हें अपने अंदर न समेटे हों। लोकगीतों में सामाजिक जीवन की व्यापक उपस्थिति होती है। हर लोकगीत की अपनी एक संस्कृति होती है या दूसरे शब्दों में लोकगीत हमें यह बताते हैं कि वह किस सांस्कृतिक धारा से जुड़े हुए हैं और वहां के पूर्वज अपना जीवन कैसे जीते थे। लोकगीतों से हमारा इसलिए भी व्यापक लगाव होता है, क्योंकि ये हमारी स्मृति और नॉस्टैलेजिया का हिस्सा होते हैं। दरअसल हम सब लोकगीत सुनकर ही बड़े हुए होते हैं। जब बच्चे पैदा होते हैं तो उनके स्वागत में जो मंगलगीत गाये जाते हैं, वे लोकगीत ही होते हैं। भले शिशुओं को यह सुनना, समझना, संभव न हो, लेकिन लोकगीतों के बोल जो उनके शिशु जीवन में कानों में पड़ते हैं, वे हमेशा हमेशा के लिए उनकी स्थायी स्मृति का हिस्सा हो जाती हैं। गांवों,

पारिवारिक मिलन समारोहों और शादी–ब्याह आदि में आज भी खुशियां सामूहिक रूप से लोकगीत गाकर ही मनायी जाती हैं। इसलिए हम हर सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधि में लोकगीतों की संवदेनाओं के जरिये जुड़े होते हैं।

'मैं' से 'हम' की अनुभूति

लोकगीतों के साथ हमारा भावनात्मक जुड़ाव इसलिए बहुत होता है, क्योंकि ये हमें, हमारी जड़ों से जोड़ते हैं और इन्हें सुनने के बाद हम अपने आपको उस क्षेत्र विशेष, समाज विशेष का जीवंत हिस्सा मानते हैं। दरअसल, लोकगीत हमारी सामूहिक अनुभूति का हिस्सा हैं। इसलिए किसी लोकगीत का अनुभव 'मैं' तक सीमित नहीं रहता बल्कि ये 'हम' सबकी साझी अनुभूति का हिस्सा होता है। लोकगीतों की यह खूबी लोगों को अपने पास लाती है। लोकगीतों की लय और उन्हें जिन रागों पर गाया जाता है, वो सब स्थानीय अनुभवों से जन्म लेते हैं, जो हमारे भीतर पहले से ही रचे बसे होते हैं।

105.22 लाख रुपए की तीन सड़क परियोजना का राज्यमंत्री ने किया शिलान्यास

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत रूपए 105.22 लाख की लागत की तीन सड़क परियोजना का शनिवार शाम शिलान्यास किया। जिन सड़कों का शिलान्यास किया उसमें प्रमुख रूप से बलुआघाट में किले के बगल से दीपू पत्रकार के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमानित लागत 22.

43 लाख रुपए ,नईगंज में रेखा श्रीवास्तव के मकान से शैल शिक्षा मन्दिर होते हुए श्रीनाथ के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली का निर्माण कार्य अनुमानित लागत 43.99 लाख रुपए, वाजिदपुर दक्षिणी में सावित्री निवास से शुभफार्मा श्यामसुंदर के मकान से होते हुए व नारायण कोचिंग होते हुए लोहिया पार्क के सामने तक इंटरलॉकिंग व नाली का निर्माण कार्य अनुमानित लागत 38.80 लाख रुपए है ।शिलान्यास के दौरान प्रमुख रूप से डा रामसूरत मौर्य, मनीष श्रीवास्तव, सैय्यद हसनैन कमर दीपू , पूर्व सभासद शाहिद मेंहदी, सुनील यादव, आनन्द निषाद बच्चा, राजेंद्र मौर्या, श्रीकांत सोलंकी, पण्डित जटाशंकर, अजीत श्रीवास्तव सहित आदि लोग मौजूद रहे।

जन्माष्टमी पर थाने में जमकर हुआ अश्लील डांस पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष को किया निलंबित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्री जन्माष्टमी में जहां यूपी के डीजीपी का सख्त आदेश है कि थानों में अश्लील गाने और अश्लील डांस नहीं होगा।वही दूसरी तरफ जौनपुर में ठीक इसके विपरीत शनिवार रात बदलापुर थाने में जमकर अश्लील गाने और डांस हुए। मुझे नौ लखा दिला दे रे ओ शैय्या दीवाने ,माथे पर झूमर कानो में झुमका जैसे अश्लील गाने बजे कोतवाली परिसर के अंदर अश्लील डांस और गाने का वीडियो रविवार को सोशल मिडिया में तेजी से वायरल हुआ। रविवार को मामले को संज्ञान में लेते हुए एसपी डॉ कौस्तुभ ने प्रभारी बदलापुर अरविंद कुमार पांडेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस मामले में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह बताया कि शासनादेश में साफ तौर पर आदेश है कि किसी भी सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार अश्लील गाना या डांस नहीं होगा। बदलापुर थाने ने अश्लील वीडियो वायरल हुआ है इसको संज्ञान में लेकर पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

हस्तिनापुर–परीक्षितगढ़ के ऋषि आश्रम होंगे आस्था और पर्यटन के प्रमुख केंद्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने महाभारत काल से जुड़े प्राचीन और पौराणिक स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास योजना के तहत पर्यटन विभाग ने मेरठ जनपद में 'महाभारत सर्किट' परियोजना के लिए कुल 03 करोड़ रुपए की स्वीकृत राशि जारी की है। इस राशि से हस्तिनापुर और परीक्षितगढ़ स्थित श्रृंगी ऋषि आश्रम का समग्र विकास किया जाएगा।उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि हस्तिनापुर के विकास के लिए 01 करोड़ और परीक्षितगढ़ स्थित श्रृंगी ऋषि आश्रम के पर्यटन विकास के लिए 02 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग धार्मिक स्थलों में पर्यटक विकास को प्राथमिकता दे रहा है, ताकि प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक धरोहरों को नई पहचान मिल सके।मंत्री जयवीर सिंह ने आगे बताया कि राज्य सरकार की योजनाओं में स्थानीय सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, सड़क और यातायात सुविधाओं का विकास, आकर्षक एवं जानकारीपूर्ण सूचना पट्टों की स्थापना, पर्यटक सूचना केंद्रों का निर्माण, आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्राम स्थलों का निर्माण और नियमित सांस्कृतिक आयोजनों की व्यवस्था शामिल है।उन्होंने कहा कि 'महाभारत सर्किट' प्रदेश की गौरवशाली महाभारतकालीन विरासत को जीवंत रूप देने के साथ ही हस्तिनापुर, परीक्षितगढ़ और आसपास के पौराणिक स्थलों को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से जोड़कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाएगी। इस परियोजना से स्थानीय युवाओं और कारीगरों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी सीधा लाभ मिलेगा।प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि महाभारत सर्किट उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों को नई पहचान देने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए प्री–प्राइमरी शिक्षा

लखनऊ (आरएनएस) राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (छम्ब 2020) के अनुरूप उत्तर प्रदेश में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए प्री–प्राइमरी शिक्षा और बालवाटिकाओं को सुदृढ़ बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नीति छोटे और सीमित उपयोग वाले स्कूलों को बड़े और अधिक व्यवहार्य संस्थानों में समेकित करने पर बल देती है, जिससे विद्यालयों के बीच सहयोग, समन्वय और संसाधनों के साझा उपयोग को बढ़ावा मिले और प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं आनंददायक अधिगम का अनुभव प्राप्त हो।बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व–प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत विद्यालय परिसरों में अवस्थित कोलोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों का अवसंरचनात्मक विकास किया जा रहा है। इसके तहत बच्चों के लिए बालमैत्रिक फर्नीचर, आउटडोर प्ले मैटेरियल, लर्निंग कॉर्नर, अभ्यास पुस्तिकाएं, वंडर बॉक्स, टीएलएम और स्टेशनरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही चरणबद्ध रूप से ईसीसीई एज्यूकेटर की तैनाती भी की जा रही है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए प्री–प्राइमरी शिक्षाध्बालवाटिका को स्कूल रेडिनेस की महत्वपूर्ण अवधि माना गया है, ताकि बच्चों का मानसिक और शैक्षणिक विकास सुनिश्चित होकर वे कक्षा–1 में प्रवेश के समय पूरी तरह तैयार हों।

अश्विनीपुरम कालोनी में भी मना हर्षोल्लास पूर्वक श्री कृष्ण जन्मोत्सव

अयोध्या। श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर शहर के अश्विनीपुरम कॉलोनी निवासी डॉक्टर अजय तिवारी के आवास व इसी कॉलोनी के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा गली मे भगवान श्री कृष्णा जन्माष्टमी हर्षल लाशपूर्वक मनाया गया। श्री कृष्णा के पैदा होते ही रात्रि के 12 बजे ष्हाथी, घोड़ा, पालकी, जय कन्हैया लाल कीष्नंद घर आनंद भयो, प्रेम से बोलो राधे राधे जैसे एक से बढ़कर एक भजन से आसपास का वातावरण भक्तिमय हो गया। इस मौके पर राधे–राधे धुन पर वहां पर उपस्थित भक्ति जैन मंत्र मुक्त हो रहे थे।वही आसमान में छोड़े जाने वाले आतिशबाजी व पटाखों से पूरा माहौल दीपावली की तरह प्रतीत हो रहा था। इस मौके पर छोटे–छोटे बच्चों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इन बच्चों के आकर्षक कार्यक्रम को देखते हुए भक्त उनको उत्साहित करने के लिए बीच–बीच में तालियां भी बजाते दिखाई दे रहे थे। इस मौके पर डॉ अजय तिवारी के अलावा रेनू तिवारी, खुशी, वैभव श्रीवास्तव, सुमन, जय गुप्ता, आनंद गुप्ता प्रहलाद गुप्ता राकेश साहू, सोनाली, रश्मि, शिवम अंकुर के अलावा काफी संख्या में महिलाएं व बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भगवान श्री कृष्ण की आरती तथा प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

न किसी का साथ न परिवार से आर्थिक मदद, अपने दम पर बने अरविन्द सोनकर डिप्टी एसपी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।इस समय में राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में तैनात सीओ अरविंद सोनकर की कहानी काफी चुनौती व संघर्ष से भरा है।वे ऐसे ही नहीं डिप्टी एसपी जैसे महत्वपूर्ण पद पर चयनित नही हुए बल्कि इसके लिए उन्होंने कई कठिनयों, व अन्य चुनौतियों का सामना करते हुए आज वे इस महत्वपूर्ण पद पर तैनात हैं। जो कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।डिप्टी एसपी पद पर चयनित होकर अरविंद सोनकर ने यह सिद्ध कर दिया है कि अगर आपके सामने कई चुनौतियां हो चारों ओर संकट हो पढ़ाई के दौरान धन का अभाव हो पारिवारिक आर्थिक स्थिति कमजोर हो उसके बावजूद भी उन्होंने सिविल सर्विसेज की तैयारी में जुटे रहे और आखिरकार वर्ष 2022 में उन्होंने इस परीक्षा में 86 वां रैंक अर्जित कर डिप्टी एसपी के पद पर चयनित हुए।उन्हें दुःख सिर्फ इस बात का है और साक्षात्कार देते समय भावुक हो गए कि जिस समय वे सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे थे उसी समय उनकी मां को कैंसर हुआ था एक तरफ तैयारी और दूसरी तरफ उनकी मां को कैंसर होना।जिसके चलते उनको लेकर अस्पताल भी आना–जाना लगा रहता था। लेकिन वह हिम्मत नहीं हारे पर दुर्भाग्य यह रहा कि वह अपनी मां को नहीं बचा पाए और उनकी मां की कैंसर होने के चलते मृत्यु हो गई। इससे दुखद घटना उस समय हुई जब वह ट्रेनिंग पूरी करके जिस दिन उन्होंने यह सोचा था कि सुबह पापा को पुलिस की वर्दी पहनकर खुद वीडियो कॉलिंग करूंगा लेकिन तब भी किस्मत उनका साथ नहीं दिया और उसी दिन सुबह उनके पिता की भी मृत्यु हो गई साक्षात्कार देते समय डिप्टी एसपी अरविंद सुनकर ने बताया कि हमारे माता–पिता ने आज मुझे इस मुकाम पर पहुंचा है लेकिन वह हमारे बीच नहीं है जिसका उन्हें जिंदगी भर मलाल रहेगा लेकिन ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वह जहां भी हो ईश्वर उन्हें अपने चरणों में स्थान दें। उन्होंने बताया कि उनकी पारिवारिक स्थिति भी काफी ठीक नहीं थी।उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के मूलनिवासी डिप्टी एसपी अरविंद सोनकर ने बताया कि उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा अपने जिले से ही पूरी की।इसके बाद स्नातक की पढ़ाई के लिए वह प्रयागराज चले गए।यहां इलाहबाद विश्वविद्यालय से उन्होंने अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी की। मालूम हो कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक ना होने के चलते उनके पिता गोरख सोनकर फल का ठेला लगाते थे।इससे परिवार का खर्च चलता था।हालांकि, कुछ समय बाद अरविंद के पिता को लकवा मार गया था, जिससे परिवार में आर्थिक संकट बढ़ गया था।उनके परिवार में पांच बहन और दो भाई हैं।अरविंद ग्रेजुएशन के बाद सिविल सेवा की तैयारी करने के लिए दिल्ली चले गए थे।हालांकि, कोरोना महामारी में उन्हें वापस लौटना पड़ा। पिता को लकवा हो गया था।ऐसे में उन्होंने कुछ समय फल के ठेले पर फल बेचे।इस दौरान वह अपनी पढ़ाई भी कर रहे थे।अरविंद सोनकर ने पीसीएस सिविल सेवाओं के लिए फिर से प्रयास किया और इस बार 2022 की परीक्षा में उन्होंने 86 वी रैंक पर आकर इस परीक्षा को पास किया। जो इस राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में सीओ है। उन्होंने सिविल सर्विस सहित अन्य विभिन्न प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे छात्रों से अपील किया है कि वह एक लक्ष्य बनाने के साथ–साथ मेहनत तथा समय का निर्धारण करते हुए पढ़ें कठिनाइयों से कतई ना दूर भागे।उन्हें सफलता जरूर एक न एक दिन मिलेगी।

एक बच्चे को बचाने के लिए बारी-बारी सेप्टिक टैंक में उतरे तीन लोगों की दर्दनाक मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। सीतापुर जिले सकरन के गांव सुकेठा में सेप्टिक टैंक में गिरे बालक को बचाने

में तीन लोगों की मौत हो गई। एक का इलाज जारी है। रविवार सुबह 11 बजे ग्राम सुकेठा निवासी विवेक गुप्ता उम्र 10 वर्ष गांव के ही अनिल के घर के सामने बने टैंक में गिर गया। विवेक को बचाने गए अनिल 40 वर्ष टैंक में उतर गए और बच्चे को बाहर कर दिया। इसके बाद वह खुद डूबने लगे। इस पर गांव के ही राज कुमार, 45 वर्ष बचाने का प्रयास किया तो वह भी डूबने लगे। इतने में रंगीलाल, 45 वर्ष ने बचाने का प्रयास किया लेकिन वह भी सफल न हुए और तीनों लोग टैंक में डूब गए। बाद में दीपू, उम्र 25 वर्ष व अन्य ग्रामीणों ने तीनों डूब रहे लोगों को बचाने का प्रयास किया। जिसमें दीपू भी घायल हुए। जिनका उपचार किया जा रहा है। अनिल, राज कुमार, रंगीलाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सांडा लाया गया। जहां पर चिकित्सक सुनील यादव के द्वारा तीनों को मृतक घोषित कर दिया।

हमारा महीनों का इंतजार पूरा हुआ पिता बोले गर्व की बात

लखनऊ, (संवाददाता)। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की अपनी ऐतिहासिक यात्रा के बाद रविवार तड़के अपने वतन भारत लौट आए। शुभांशु शुक्ला पिछले एक साल से आईएसएस के लिए एक्सिओम–4 मिशन के प्रशिक्षण के लिए अमेरिका में थे। उनका दिल्ली में हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन ने स्वागत किया। शुभांशु के बैकअप अंतरिक्ष यात्री प्रशांत बालकृष्णन नायर भी स्वदेश लौट आए। शुभांशु शुक्ला के जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिल सकते हैं। इसके बाद वे अपने गृहनगर लखनऊ के लिए रवाना हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि शुभांशु 22–23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में भाग लेने के लिए वापस राजधानी लौट सकते हैं। इससे पहले शनिवार को शुभांशु शुक्ला ने इंस्टाग्राम पर हवाई जहाज में बैठे हुए अपनी एक मुस्कुराती हुई तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने लिखा था कि अमेरिका छोड़ते समय उनके मन में मिलीजुली भावनाएं थीं। वे अपना अनुभव देशवासियों के साथ साझा करने के लिए भारत लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, श्भारत वापस आने के लिए विमान में बैठते ही मेरे मन में मिलीजुली भावनाएं उमड़ रही थीं। मुझे उन शानदार लोगों को पीछे छोड़कर जाने का दुख हो रहा है, जो इस मिशन के दौरान पिछले एक साल से मेरे दोस्त और परिवार थे। मैं मिशन के बाद पहली बार अपने सभी दोस्तों, परिवार और देश के सभी लोगों से मिलने के लिए भी उत्साहित हूं। पिता शंभु दयाल शुक्ला ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि बेटा अपने मिशन में सफल होकर भारत लौट रहा है। हमारी इच्छा उससे जल्द से जल्द मिलने की है, इसलिए हम लोग दिल्ली जा रहे हैं। हमारे जीवन का यह यादगार पल है कि हमारा बेटा अपने मिशन में कामयाब होकर देश लौट रहा है।उन्होंने आगे कहा कि गगनयान के लिए पीएम मोदी की ओर से शुभांशु शुक्ला को पहले ही संकेत दिया जा चुका है। गगनयान का मिशन चल रहा है और 2027 में जाने का उनका विचार है। इस मिशन से वे पहले से जुड़े हुए थे लेकिन अब वे इसे लीड करेंगे। वे अब इसकी तैयारी में लगेंगे और 2027 में मिशन को लेकर जाएंगे। शुभांशू शुक्ला की माता आशा शुक्ला ने कहा कि हम बीते एक महीने से इंतजार कर रहे थे कि कब वे भारत वापस लौटेंगेय अब जब वो आ रहे हैं तो हमें काफी खुशी हो रही है।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का दो भागों मे कटा शव

अयोध्या। शुक्रवार को कैंट रेलवे स्टेशन पर उसे समय हड़कंप मच गया जब वहां पर रेलवे ट्रैक के मध य एक व्यक्ति का दो भागों में कटा हुआ सब मिला। इस संबंध में जीआरपी प्रभारी निरीक्षक समर बहादुर सिंह ने बताया कि शुक्रवार की शाम एक अज्ञात व्यक्ति उम्र लगभग 45 वर्ष का शव के एम नंबर 967ध्30–32 रेलवे स्टेशन अयोध्या कैण्ट लोको लॉबी के सामने मध्य ट्रैक के भीतर सर व बाहर धड़ दो टुकड़े मृत अवस्था में पड़ा मिला। काफी प्रयास के बावजूद मृतक की पहचान नही हो सकी। बताया कि मृतक का हुलिया आंख, नाक, कान, कद औसत रंग गेहुंआ एकहरा मजबूत जिस्म उम्र करीब 45 वर्ष पुरूष हिन्दू प्रतीत हो रहा है।मृतक ने काली टी–शर्ट, काला लोवर, पैर में काला प्लास्टिक की चप्पल, अण्डर वियर नीला, बनियान नीला हाथ के दायें कलाई में राखी बंधी व बायें हाथ की मध्यामा उंगली में पीली धातु की अंगूठी पहने हुए हुए है।उन्होंने लोगों से अपील किया कि जिस किसी व्यक्ति को उपरोक्त व्यक्ति के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी प्राप्त हो तो वे 9454404406 व 8318685837 मोबाइल नंबर पर सूचित करे।

महिला थाना परिसर में भी मना स्वतंत्रता दिवस

अयोध्या।शुक्रवार को 79 वें स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर महिला थाना परिसर में भी शान से तिरंगा झंडा फहराया। इस मौके पर झंडा फहराते हुए सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह ने इस पर्व के महत्व के बारे पर प्रकाश डाला। इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के अलावा उप निरीक्षक संदीप मिश्रा,सोनी,चेतना,प्रिया के अलावा महिला थाना पर तैनात सभी पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

हर पंचायत में बनेगा खेल मैदान, खेल से बनेगा भविष्य–रजनी तिवारी

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में विकास खंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जसमई खिरौना स्थित प्राथमिक विद्यालय में मनरेगा अभिसरण से निर्मित बैडमिंटन कोर्ट का रविवार को उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए हर पंचायत में खेल मैदान बनाए जा रहे हैं। अब खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया, बल्कि युवा इससे अपने करियर की दिशा भी तय कर सकते हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा ने कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि मानसिक संतुलन व अनुशासन भी सिखाते हैं। बच्चों के समग्र विकास के लिए खेल उतने ही जरूरी हैं, जितनी पढ़ाई। इस दौरान यह जानकारी दी गई कि बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण मनरेगा अभिसरण योजना के अंतर्गत कराया गया है, जो गांवों

में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कार्यक्रम के अगले चरण में राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने विधानसभा शाहाबाद क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामपुर हमजा स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय रामापुर में युग्मन के माध्यम से निर्मित आंगनवाड़ी केंद्र – बाल वाटिका का भी लोकार्पण किया। इस दौरान राज्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की नींव मजबूत करने के लिए बाल स्तर पर ही सुविधाओं का विस्तार कर रही है, जिससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा मिल सके। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य लालाराम राजपूत, जिला कार्यसमिति सदस्य सर्वेश सिंह मिन्ने, मंडल अध्यक्ष मनोज राजपूत, ग्राम प्रधान चंद्रप्रकाश सिंह, शरद सिंह, शानू सिंह, प्रवीण सिंह,प्रधान प्रतिनिधि सुधीर सिंह, ओमपाल, रामसेवक, तथा अन्य गणमान्य जन और संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अत्यंत व्यवस्थित ढंग से हुआ और स्थानीय लोगों ने इन विकास कार्यों के लिए सरकार का आभार जताया।

सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल ने की सीएम योगी से मुलाकात

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा की बागी और फिर बीते गुरुवार को निष्कासित की गईं विधायक पूजा पाल ने शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। सपा से निकाले जाने के बाद यह सीएम के साथ उनकी पहली औपचारिक मुलाकात है। उनकी इस मुलाकात के बाद राजनीतिक मायने निकाले जाने शुरू हो गए हैं। मालूम हो कि पूजा पाल को बीते दिनों पार्टी से निकाल दिया गया था।

पूजा पाल ने की थी सीएम योगी की तारीफ

कौशांबी जिले की चायल विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी विधायक पूजा पाल को आखिरकार पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। पिछले साल राज्यसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के पक्ष में वोटिंग की थी। उस

समय से अब तक उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। विधायक और हाईकमान के बीच तल्खियां तो काफी दिन से चली आ रही थीं। लेकिन बृहस्पतिवार को जब विधायक पूजा पाल ने सदन में खुलकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की तो सपा अध्यक्ष ने निष्कासन पत्र भिजवा दिया।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद बदलने लगा था पूजा का रुख

पूजा पाल 2022 के विधानसभा चुनाव में चायल सीट से सपा के टिकट पर विधायक बनी थीं। उमेश पाल हत्याकांड के बाद पूजा का रुख बदलने लगा। वह भाजपा के करीब होने लगीं। उनके आचरण और बयानों को लेकर पार्टी में असंतोष बढ़ रहा था।

मुख्यमंत्री नकलची, विकास विरोधी और जनता के सवालों से भाग रही है : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री पर तीखे हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री दिल्ली की नकल करते हैं और जनता तथा विधायकों के सवालों से बचने के लिए नए–नए सपने दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायकों और जनता के मुद्दों का सामना करने से भाग रही है। उन्होंने विधानसभा में मंत्रियों की गैरहाजिरी और अमानवीय व्यवहार को भी गंभीर चिंता का विषय बताया।अखिलेश यादव ने गुरुवार को चक गंजरिया स्थित संस्कृति स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने समाजवादी सरकार द्वारा स्थापित संस्कृति स्कूल को बंद कर दिया और बजट नहीं दिया। भाजपा शिक्षा विरोधी है और गरीबों तथा पिछड़े वर्ग के परिवारों को शिक्षा से दूर रखने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में आईटी सिटी, एचसीएल के जरिए रोजगार, दुग्ध क्षेत्र के विकास और पलासियों मॉल जैसे कई काम हुए थे, जबकि भाजपा सरकार ने इन्हें नष्ट कर दिया।पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश भर में समाजवादी सरकार के विकास कार्यों का विस्तृत ब्यौरा देते हुए कहा कि बलिया, गाजीपुर, गोरखपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, मेरठ, नोएडा तक समाजवादी सरकार ने विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश का सर्वांगीण विकास किया। उन्होंने कहा कि मेट्रो, फोरलेन सड़कें, पावर प्लांट, मेडिकल कॉलेज, सैनिक स्कूल और खेल सुविधाएं समाजवादी सरकार ने स्थापित की थीं, लेकिन भाजपा सरकार ने इन्हें बंद कर दिया या उनका संचालन ठीक से नहीं किया। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने कुंभ आयोजन भी ठीक से नहीं कर पाया और मृतकों की सही सूची नहीं दी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की भ्रष्टाचार और मंहगाई की नीति से प्रदेश प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार निवेश को रोक रही है और उद्योगपतियों को डराकर विकास प्रक्रिया बाधित कर रही है।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री प्रवासी हैं और उत्तर प्रदेश की जनता के सामने उनके पास कोई ठोस विजन नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार हिंदू–मुस्लिम को लड़ाने की साजिश कर रही है ।

स्वतंत्रता दिवस पर विश्वकर्मा चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

देश की उपासना

ब्यूरो धनन्जय विश्वकर्मा, महाराष्ट्र। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, विश्वकर्मा चौरिटेबल ट्रस्ट ने दहिसर (पूर्व) में एक सफल रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जहाँ बड़ी संख्या में युवाओं और समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की मदद करना और श्रक्तदान महादानश के संदेश को बढ़ावा देना था। यह शिविर समाजसेवी श्री रामा विश्वकर्मा के प्रयासों से हर साल की तरह इस साल भी सफल रहा। सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक चले इस शिविर में दहिसर, बोरीवली, अंधेरी और आसपास के क्षेत्रों से लोगों ने आकर रक्तदान किया। कुल 63 लोगों ने, जिनमें 60 पुरुष और 3 महिलाएँ (श्रद्धा पाटिल, रिंकल कर्जन, सरला गुप्ता) शामिल थीं, इस नेक कार्य में अपना योगदान दिया। संग्रहित रक्त को बोरीवली ब्लड सेंटर को सौंपा गया, जहाँ से इसे जरूरत पड़ने पर मरीजों को उपलब्ध कराया जाएगा। डॉ. अल्का सूबे और डॉ. स्मिता कदम के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने पूरी जिम्मेदारी के साथ रक्त संग्रह का कार्य किया। सभी प्रतिभागियों को रामा विश्वकर्मा द्वारा प्रमाणपत्र देकर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस आयोजन में कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें विधायक प्रकाश दादा सर्वे, चीफ फायर ऑफिसर दीपक घोष, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सर्जराव शंकर पाटिल और प्रमोद तावड़े, तथा क्राइम ब्रांच के अधिकारी अशोक घुगे शामिल थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में लक्ष्मण भाई राठौड़, शिवा विश्वकर्मा, सुनील बनसोडे, सुदामा गॉड और कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रामा विश्वकर्मा अपने सामाजिक कार्यों और मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उनका मानना है कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाते हैं और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया श्री कृष्ण जन्मोत्सव, जेल में बंद 59 कैदियों ने रखा व्रत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव को पूरे देश में महोत्सव के रूप में मनाया गया। जिला जेल परिसर में भी कृष्ण जन्मोत्सव की धूम रही। यहां जन्माष्टमी को लेकर कैदियों में अलग ही उत्साह देखने को मिला। जेल में 59 बंदियों ने जन्माष्टमी के अवसर पर व्रत रखा हुआ है। जन्माष्टमी को लेकर जिला कारागार में बंदियों के द्वारा जेल परिसर में बने मंदिर पर धूम धाम से देर रात भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। जिसमें उनके द्वारा नृत्य, बधाई, कृष्ण लीला जैसे अलग– गाने प्रस्तुत किए गए श्री कृष्ण की झांकी भी निकाली गई। जन्माष्टमी के अवसर पर ज्यादातर पुरुष बंदी ही व्रत रखे हैं और कुछ महिलाओं के द्वारा व्रत रखा हैं। सजावट के लिए जेल प्रशासन की तरफ से बंदियों को जो भी चीज वह मागे उनको मुहैया कराया गया। जिस की सजावट में कोई कमी ना रह जाए। रविवार को जेल अधीक्षक दीपांकर ने जानकारी देते हुए बताया कि हर साल की भांति इस बार भी जेल में जन्माष्टमी का त्यौहार धूम धाम से मनाया गया है। जेल में रहने वाली स्टाफ और बंदी साल भर आराधना करते हैं। आज उनके लिए यह बड़ा विशेष दिन होता है, इसलिए कैदियों के द्वारा प्रस्तुति देकर अपने भाव प्रकट करते हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर 59 बंदियों के द्वारा व्रत रखा गया है। देर रात बाल गोपाल के जन्म के बाद सभी को प्रसाद वितरित किया गया आज जो शेष रहेंगे उन्हें प्रसाद वितरित किया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व शनिवार को उत्साह के साथ मनाया गया। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया। मंदिरों में भजन–कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के समय मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महिलाओं ने मंगल गीत गाए। हवन–पूजन के बाद प्रसाद का वितरण किया गया।पुलिस लाइन परिसर में एसपी कौस्तुभ की अध्यक्षता में विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सभी थानों में भी जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया। कोतवाली परिसर स्थित मंदिर को भी सजाया गया।

कर्तिहां गांव स्थित बाबा भंकरवीर मंदिर में कजरी दंगल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भदोही से आए गायक विष्णु यादव और प्रयागराज की लोकगायिका लक्ष्मी सागर ने प्रस्तुति दी। मां शीतला चौकिया का विशेष श्रृंगार किया गया।

देर रात तक श्रद्धालु मंदिरों में सजी झांकियों के दर्शन करते रहे। पुलिस विभाग द्वारा सभी मंदिरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। नगर पालिका परिषद द्वारा मंदिरों के आसपास सफाई और चुने का छिंड़काव भी कराया गया था।

कृष्णचन्द यादव बने गुलाबी देवी पीजी कॉलेज के प्रबंधक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध गुलाबी देवी स्नातकोत्तर कॉलेज सिद्दीकपुर में प्रबंध समिति का चुनाव में कॉलेज परिसर में कराया गया , जिसमें पर्यवेक्षक प्रोफेसर राकेश कुमार यादव, गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर एवं चुनाव अधिकारी रामआसरे यादव पूर्व प्रधानाचार्य की देखरेख में चुनाव कराया गया । जिसमें सभी सदस्यों ने हिस्सा लिया और चुनाव प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई। जिसमें समिति के सभी पदाधिकारियो ने सर्वसम्मति से कृष्णचंद्र यादव को प्रबंधक पद पर चयन किया , इसके पूर्व इस पद

पर प्रबंधक लालचंद यादव लाले रहे। चुनाव प्रकिया का संचालन प्राचार्य डॉ रामाशंकर यादव ने किया । सबके प्रति आभार कॉलेज के संरक्षक लालचंद यादव लाले ने प्रकट किया।

इस मौके पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार यादव, उपाध्यक्ष रामसूरत मौर्या,उप प्रबंधक लक्ष्मी नारायण यादव ,कोषाध्यक्ष बाकेलाल यादव, मंत्री अश्विनी कुमार ,कार्यकारिणी के सदस्य मुरलीधर यादव ,छोटेलाल, सभाजीत यादव एडवोकेट,डॉ जितेंद्र कुमार यादव, पूर्वांचल विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के महामंत्री रमेशचंद्र यादव, रविचन्द ,अंकुर कुमार,रोहित यादव मौजूद रहे।

आजादी के 79 वीं स्वतंत्रता दिवस पर अक्षत ग्रुप इंफ्रा डेवल पर रियल एस्टेट कंपनी ने एकता एवं अखंडता का परिचय दिया

अयोध्या (ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या रामनगरी में शहर से लेकर गांव तक 79 वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।वही अयोध्या कोतवाली नगर क्षेत्र में अक्षत ग्रुप कंपनी ने 79 वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। इस मौके पर अक्षत ग्रुप कंपनी के डायरेक्टर विनय वर्मा ने संयुक्त रूप से तिरंगा झंडा फहराया। उसके पश्चात राष्ट्रगान की धुन पर आसपास का इलाका राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हो गया। इस मौके पर विनय वर्मा ने कहा कि हम सभी सौभाग्य शाली है जो आज आजाद है।

परंतु इस आजादी को पाने के लिए वीर सपूतों ने अपने जान की परवाह न करते हुए हमें आजादी दिलाई।उन्होंने कहा कि भारत की स्वाधीनता के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान का आदरपूर्वक स्मरण करना हम सभी का कर्तव्य है। स्वतंत्रता दिवस हम सभी को स्वाधीनता सेनानियों के सपनों के अनुरूप राष्ट्र का निर्माण करने के संकल्प के साथ जोड़ता है।वही हमें अपने देश के विकास के बारे में हमेशा सोचना चाहिए।क्योंकि हमारा देश ऐसे ही स्वतंत्र नहीं हुआ और ना ही सरलता से।भारत का संविधान बना इसके लिए हमारे राष्ट्र भक्तों ने अपनी जान की बाजी लगाकर जहां एक ओर 15 अगस्त को देश को स्वतंत्र कराया। हम लोगों को हमेशा देश हित के बारे में सोचना चाहिए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बिलरियागंज आजमगढ़

स्वच्छ सर्वेक्षण, 2025
बिलरियागंज को स्वच्छ बनाना है।।

वृक्ष धरा का भूषण है।
करता दूर प्रदूषण है।।

मन में यह संकल्प जगाये।
प्लास्टिक कभी प्रयोग में न लाये।।

स्वच्छता अपनाये।
बीमारी दूर भगाये ।।

स्वच्छ सर्वेक्षण, 2025 के अवसर पर नगर पालिका परिषद बिलरियागंज आजमगढ़ के समस्त नगरवासियों को स्वतन्त्रा दिवस–2025 की हार्दिक शुभकामनायें तथा पालिका नगरवासियों से निम्न अपेक्षाएं करती है–

1–प्लास्टिक/थर्माकॉल का प्रयोग पूर्णतया प्रतिबन्धित है। इस का उपयोग करता हुआ पाये जाने पर वैधानिक कार्यवाही एंव अर्थदण्ड का प्राविधान है।
2–जन्म–मृत्यु का पंजीकरण 21 दिन के अन्दर अवश्य कराये।
3–गृहकर व्यवसाय कर एंव जलमूल्य की अदायगी समय से करें।
4 पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने हेतु वृक्ष लगाये एंव नगर पालिका परिषद का सहयोग करें।
5– न.पा. प. बिलरियागंज आजमगढ़ को ओ०डी०एफ० घोषित कर दिया गया है। खुले में शौच करना एवं गंदगी फैलाना एक सामाजिक अपराध है। खुले में शौच करने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही एव अर्थदण्ड लगाया जायेगा।
6–जल ही जीवन है इसे अनावश्यक न बहाये।
7–सार्वजनिक पोखरी, तालाब, मैदान सडक नाला नाली के उपर अवैध अतिक्रमण न करें।
8–प्रकाश बिन्दु को न तोड़े, दिन में बल्ब आदि जलता पाया जाने पर नगर पालिका परिषद को सूचित करें।
9–नगर पालिका परिषद द्वारा कूड़ा उठाने के उपरान्त सड़क पर कूड़ा न डाले। नगर को स्वच्छ बनाये रखने में सहयोग करें।
10–सूखा कूड़ा एव गीला कूड़ा अलग–अलग डस्टबीन में डाले।
11–कोई ऐसा कृत्य न करें, जिससे पर्यावरण प्रदूषित हो तथा जनमानस को हानि हो।
12–(DCCC) टोल फ्री नं0–1533 सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए टोल फ्री नम्बर–14420

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बिलरियागंज
,आजमगढ़

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
बिलरियागंज
,आजमगढ़।

आर.ओ.पत्रांक– मेमो/न०पा०प०बि०/2025–26/दिनांक–12.08.2025

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।